CEDSI
CENTRE OF EXCELLENCE FOR DAIRY SKILLS IN INDIA

CEDSI TIMES

Your Skilling Partner...

भारतीय एनडीडीबी अध्यक्ष को आईडीएफ बोर्ड में नियुक्त किया गया,

राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक डॉ. मीनेश शाह को 15 अक्टूबर को आयोजित आईडीएफ महासभा के दौरान अंतर्राष्ट्रीय डेयरी फेडरेशन (आईडीएफ) के बोर्ड में नियुक्त किया गया है। अपनी प्रतिक्रिया में, डॉ. शाह ने कहा आईडीएफ प्रतिनिधियों द्वारा उन पर जताए गए भरोसे के लिए आभार व्यक्त किया और आईडीएफ बोर्ड में एक भारतीय प्रतिनिधि होने के महत्व को रेखांकित किया। वैश्विक दूध उत्पादन में भारत का 23 प्रतिशत से अधिक का महत्वपूर्ण योगदान एक अधिक समावेशी और प्रभावी वैश्विक डेयरी उद्योग सुनिश्चित करने के लिए इस नियुक्ति को महत्वपूर्ण बनाता है।

डॉ. शाह ने इस बात पर जोर दिया कि यह स्थिति वैश्विक मंच पर भारत की लघु धारक-आधारित डेयरी प्रणाली के भीतर लाखों डेयरी किसानों के प्रतिनिधित्व को सक्षम बनाएगी और उद्योग को लाभ पहुंचाने वाली नीतियों, रूपरेखाओं, प्रणालियों और प्रक्रियाओं के विकास की सुविधा प्रदान करेगी।

विभिन्न क्षमताओं में आईडीएफ के साथ डॉ. शाह की दीर्घकालिक भागीदारी अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की विशिष्ट लघुधारक-आधारित डेयरी प्रणाली के बारे में जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण रही है। वह भारतीय राष्ट्रीय समिति के सदस्य सचिव की भूमिका भी निभाते हैं और डेयरी नीति और अर्थशास्त्र पर स्थायी समिति के सदस्य हैं। इस नियुक्ति से वैश्विक डेयरी क्षेत्र की उन्नति में महत्वपूर्ण योगदान मिलने की उम्मीद है।

हिमाचल के कांगड़ा जिले में हाईटेक दूध प्रसंस्करण संयंत्र प्रस्तावित

हिमाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा कि कांगड़ा जिले के डगवार में एक अत्याधुनिक दूध प्रसंस्करण संयंत्र प्रस्तावित है। प्लांट का निर्माण करीब साढ़े तीन लाख रुपये की लागत से किया जायेगा. वहां 226 करोड़ की लागत से विभिन्न दुग्ध उत्पादों का उत्पादन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अन्य प्लांटों में भी आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने शुक्रवार को यहां त्योहारी सीजन से पहले हिमाचल प्रदेश राज्य दुग्ध उत्पादक संघ लिमिटेड (मिल्कफेड) के नए डेयरी उत्पादों को लॉन्च करते हुए यह बात कही।

इसमें गिफ्ट पैक, शादी की भाजी और शुगर-फ्री मिठाइयाँ शामिल हैं। ये नए गिफ्ट पैक तीन आकार की पैकेजिंग में उपलब्ध होंगे, जिनकी कीमत रु. 620, रु. 1000 और रु. क्रमशः 1500 और सभी मिल्कफेड बिक्री केंद्रों और जिला मुख्यालयों पर उपलब्ध होगा। मुख्यमंत्री ने मिल्कफेड को अपने उत्पाद बाजार की आवश्यकता के अनुरूप लाने का निर्देश दिया और यह सुनिश्चित किया कि राज्य सरकार गुणवत्तापूर्ण उत्पाद तैयार करने में हर संभव सहायता प्रदान करेगी।

कांग्रेस पार्टी ने अपने घोषणापत्र में गाय का दूध 20 रुपये प्रति किलो खरीदने का वादा किया है. प्रति किलो 80 और भैंस का दूध रु. उन्होंने कहा कि किसानों से प्रति किलो 100 रुपये लिए जाएंगे, जिसके लिए मिल्कफेड प्लांट का आधुनिकीकरण किया जा रहा है।

10,000 दक्षिणी डेयरी किसानों की सहायता के लिए 2 करोड़ रुपये की ब्याज-मुक्त ऋण योजना

ब्याज मुक्त ऋण योजना से तिरुवनंतपुरम, कोल्लम, पथानामथिट्टा और अलाप्पुझा जिलों के लगभग 10,000 डेयरी किसानों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ने की उम्मीद है। टीआरसीएमपीयू के प्रशासनिक संयोजक, श्री एन. भासुरंगन ने आरडीआर कन्वेंशन सेंटर में आयोजित 37वीं वार्षिक आम सभा के दौरान इस विकास की घोषणा की। बैठक में टीआरसीएमपीयू की साइलेज परियोजना और मोबाइल पशु चिकित्सा क्लीनिक जैसी पहलों की सफलता पर प्रकाश डाला गया, जिन्हें डेयरी किसानों से मजबूत समर्थन मिला है। क्षेत्र के सभी डेयरी किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए सरकारी सहायता से इन योजनाओं का और विस्तार करने की योजना पर काम चल रहा है।

तिरुवनंतपुरम क्षेत्रीय सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ (टीआरसीएमपीयू) की वार्षिक आम सभा में, 2,853 करोड़ रुपये का एक बड़ा बजट अपनाया गया, जिसमें पूंजी और राजस्व व्यय दोनों शामिल थे। विशेष रूप से, दक्षिणी जिलों में डेयरी किसानों द्वारा प्राप्त ऋण पर ब्याज की भरपाई के लिए 2 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। कुल 10 करोड़ रुपये के ये ऋण फार्म स्थापित करने और दुधारू जानवर खरीदने के लिए प्राप्त किए गए थे।

महाराष्ट्र में राहुरी सीमेन स्टेशन ने सरकारी ऑडिट में शीर्ष रैंकिंग हासिल की

एक उल्लेखनीय मान्यता में, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड (एनडीडीबी) द्वारा संचालित महाराष्ट्र में राहुरी वीर्य स्टेशन को भारत सरकार द्वारा देश के अग्रणी वीर्य स्टेशन के रूप में सराहा गया है। यह अंतर वर्ष 2022-23 के लिए केंद्रीय निगरानी इकाई (सीएमयू) द्वारा आयोजित एक व्यापक तकनीकी ऑडिट रिपोर्ट के बाद आया है। ऑडिट में देश भर में 55 वीर्य स्टेशनों का मूल्यांकन किया गया, जिसमें राहुरी वीर्य स्टेशन 97 के उल्लेखनीय स्कोर के साथ खड़ा हुआ, जो गुणवत्ता, पशु आनुवंशिकी और स्वास्थ्य और सुरक्षा मानकों के प्रति इसकी प्रतिबद्धता को उजागर करता है।

विशेष रूप से, उत्तर प्रदेश में स्थित एक अन्य एनडीडीबी स्टेशन, पशु प्रजनन केंद्र सैलून ने 95 के स्कोर के साथ सराहनीय "ए" रैंकिंग अर्जित की। कुल मिलाकर, नौ वीर्य स्टेशनों ने ग्रेड ए के तहत 90 या उससे अधिक का स्कोर हासिल किया, जो उनके समर्पण को दर्शाता है। उच्च मानक बनाए रखना।

एनडीडीबी और नेशनल डेयरी सर्विसेज (एनडीएस) के अध्यक्ष डॉ. मीनेश शाह ने इस उपलब्धि पर बेहद गर्व व्यक्त किया और इसका श्रेय पशु चिकित्सा विशेषज्ञों और वैज्ञानिकों की समर्पित टीमों के अथक प्रयासों को दिया। उन्होंने दुधारू पशुओं की उत्पादकता बढ़ाने और स्वदेशी नस्लों के आनुवंशिकी को बढ़ावा देने में उनके काम के महत्व पर जोर दिया।

एनडीएस स्टेशन, जिसमें सामूहिक रूप से 35 विभिन्न नस्लों का प्रतिनिधित्व करने वाले लगभग 1800 उच्च आनुवंशिक योग्यता वाले सांड रहते हैं, ने 2022-23 की मूल्यांकन अवधि के दौरान 5.2 करोड़ से अधिक खुराक बेचने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके अतिरिक्त, ये स्टेशन सक्रिय रूप से विवो और इन विट्रो भ्रूण उत्पादन और स्थानांतरण में लगे हुए हैं, जो डेयरी क्षेत्र में प्रगति में योगदान दे रहे हैं।

तमिलनाडु के डेयरी मंत्री ने रेफकोल्ड में सतत प्रशीतन के लिए सहयोगात्मक समाधान की वकालत की

ISHRAE के राष्ट्रीय अध्यक्ष, योगेश ठक्कर ने खराब होने वाले क्षेत्र को बदलने, लॉजिस्टिक्स बढ़ाने, मूल्य संवर्धन सुविधाओं और हरित प्रशीतन प्रथाओं को बढ़ावा देने में एकीकृत कोल्ड चेन समाधान की क्षमता पर प्रकाश डाला। इस तरह की पहल से संपूर्ण आपूर्ति श्रृंखला की दक्षता में उल्लेखनीय सुधार हो सकता है, जो ऐसे देश में महत्वपूर्ण है जहां कृषि अधिकांश आबादी को रोजगार देती है।

दक्षिण एशिया में रेफ्रिजरेशन और कोल्ड चेन प्रौद्योगिकियों पर केंद्रित एक प्रमुख प्रदर्शनी और सम्मेलन, रेफकोल्ड इंडिया का छठा संस्करण चेन्नई ट्रेड सेंटर में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इंडियन सोसाइटी ऑफ हीटिंग, रेफ्रिजरेटिंग और एयर कंडीशनिंग इंजीनियर्स (ISHRAE) और इंफॉर्मा मार्केट्स के बीच साझेदारी में आयोजित इस कार्यक्रम में स्थायी भविष्य के लिए रेफ्रिजरेशन के महत्व पर चर्चा हुई।

वैश्विक साझेदारों के साथ सहयोग के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, विशेष रूप से जब क्षेत्र महत्वाकांक्षी आर्थिक लक्ष्यों का पीछा कर रहे हैं, उन्होंने ग्रामीण समुदायों के सामने आने वाली चुनौतियों, जैसे कृषि उत्पादों के लिए उचित मूल्य निर्धारण, के समाधान के बारे में बात की। थंगराज ने प्रशीतन लाभों को सभी के लिए सुलभ बनाने का लक्ष्य भी व्यक्त किया, ऐसे भविष्य की दिशा में काम करना जहां प्रशीतन तकनीक हर कोने तक पहुंचे।

दूध और डेयरी विकास मंत्री टी. मनो थंगराज ने जलवायु परिवर्तन और प्रदूषण संबंधी चिंताओं को संबोधित करते हुए शहरी जीवन में प्रशीतन की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रशीतन ने मत्स्य पालन में क्रांति ला दी है, कोल्ड चेन के माध्यम से खाद्य आपूर्ति सुनिश्चित की है और डेयरी उद्योग को पुनर्जीवित किया है। थंगराज ने प्रशीतन क्षेत्र में निरंतर विकास की आवश्यकता पर बल दिया, विशेष रूप से स्थिरता और ऊर्जा दक्षता पर ध्यान केंद्रित किया।

नेट जीरो ऊर्जा खपत पर जोर देते हुए पूर्वांचल गोरखपुर में पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय का स्वागत करेगा

उत्तर प्रदेश के पूर्वांचल के लिए एक महत्वपूर्ण विकास में, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने गोरखपुर में पशु चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय के तत्काल निर्माण को हरी झंडी दे दी है। उन्होंने आगे कहा है कि कॉलेज स्थिरता लक्ष्यों के अनुरूप शुद्ध शून्य ऊर्जा खपत सुविधा वाला हो।

यह कॉलेज मथुरा के प्रतिष्ठित पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय और गाय अनुसंधान संस्थान से संबद्ध होगा। प्रारंभ में, कॉलेज स्नातक पाठ्यक्रम के लिए 100 छात्रों को प्रवेश देगा।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने इस बात को रेखांकित किया कि यह संस्था न केवल पूर्वांचल बल्कि पश्चिमी बिहार और नेपाल के पशुपालकों को भी आवश्यक पशु चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि प्राचीन ग्रंथ, जैसे 'शालिहोत्र संहिता', पशु चिकित्सा में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान करते हैं, और इस क्षेत्र में पर्याप्त आधुनिक प्रगति हुई है। आदित्यनाथ ने इस क्षेत्र में अनुसंधान, अध्ययन और शिक्षण के लिए युवाओं के उत्साह पर जोर दिया।
80 एकड़ के कॉलेज परिसर को तीन चरणों में विकसित किया जाएगा, जिसमें अस्पताल ब्लॉक, शैक्षणिक ब्लॉक, स्टाफ क्वार्टर, हॉस्टल और अनुसंधान केंद्र जैसी आवश्यक सुविधाएं होंगी। यह सुविधा बड़े जानवरों के लिए भूतल पर और छोटे जानवरों के लिए पहली मंजिल पर चिकित्सा सेवाएं प्रदान करेगी। पोल्ट्री विज्ञान और डेयरी क्षेत्र के अलावा, कॉलेज पशु नस्ल सुधार में आवश्यक अनुसंधान पर भी ध्यान केंद्रित करेगा।

अधिकारियों को पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु चिकित्सा विज्ञान विश्वविद्यालय और गाय अनुसंधान संस्थान, मथुरा के विशेषज्ञों के साथ सहयोग करने का काम सौंपा गया है, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि कॉलेज अत्याधुनिक सुविधाओं और सेवाओं से सुसज्जित है।

शिक्षित स्नातक पारंपरिक करियर के बजाय डेयरी फार्मिंग को चुनें

घटनाओं के एक प्रेरक मोड़ में, दो उच्च शिक्षित व्यक्तियों, एमएस संगमेश और रिज़वान जहागीरदार ने अपनी बी.टेक और एमबीए की डिग्री को अलग रखते हुए डेयरी फार्मिंग में करियर बनाने का विकल्प चुना है। विजयपुरा के रहने वाले इन स्नातकों ने डेयरी की दुनिया में जुनून और उद्देश्य पाया है।

संगमेश, अपने करियर के बाद विभिन्न शहरों में सौर ऊर्जा उद्योग और कंपनियों में काम करने के बाद, COVID-19 महामारी के दौरान विजयपुरा लौट आए। उन्होंने डेयरी फार्मिंग शुरू की, लगभग 16 मवेशियों का प्रबंधन किया और प्रतिदिन लगभग 50 लीटर दूध की आपूर्ति की।

बी.टेक इंजीनियर रिजवान और एमबीए स्नातक संगमेश ने कॉर्पोरेट करियर से हटकर गाय और भैंस चराने का काम शुरू कर दिया है। शुरुआत में बेंगलुरु और दिल्ली में विभिन्न कंपनियों में काम करने वाले रिजवान ने विदेश में स्थानांतरित होने के लिए कहे जाने के बाद अपने गृह जिले, विजयपुरा लौटने का फैसला किया। उन्होंने लगभग 50 गायों और भैंसों के साथ डेयरी फार्मिंग शुरू की, अपने ग्राहकों को 100 लीटर से अधिक दूध की आपूर्ति की और फसलों के लिए खाद के रूप में जैविक गोबर उपलब्ध कराया।

दोनों स्नातकों का मानना है कि शिक्षित व्यक्ति नवीन विचारों को पेश करके, स्थिरता सुनिश्चित करके और अप्रत्यक्ष रूप से रोजगार पैदा करके डेयरी क्षेत्र में महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकते हैं। वे अधिक शिक्षित युवाओं को डेयरी फार्मिंग को एक व्यवहार्य और सम्मानजनक व्यवसाय मानने के लिए प्रोत्साहित करते हैं और आय के स्रोतों को बढ़ाने और कृषि क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय डेयरी फार्मों के लिए सरकारी समर्थन का सुझाव देते हैं।

सीईडीएसआई कार्यशाला अनुसूची

क्रम संख्या	कार्यशाला प्रकार	तिथि	कार्यक्रम का स्थान
1	कोआपरेटिव स्टेकहोल्डर्स वर्कशॉप	3rd नवंबर	चंडीगढ़
2	डेयरी उद्योग कार्यशाला	6th नवंबर	लुधियाना
3	डेयरी किसान कार्यशाला	8th नवंबर	करनाल | कुरूक्षेत्र
4	डेयरी किसान कार्यशाला	15th नवंबर	GADVASU| PAU
5	पशु - चारा कार्यशाला	18th नवंबर	खन्ना| लुधियाना
6	सरकारी-एनजीओ	21st नवंबर	चंडीगढ़

हम कौन हैं?

कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के तहत भारतीय कृषि कौशल परिषद (ASCI) के तत्वावधान में काम करने वाली एक स्वायत्त संस्था "सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया (CEDSI)", किसानों की आजीविका के सशक्तिकरण और बेहतरी में मदद करने के लिए, वेतनभोगी कर्मचारी, और डेयरी मूल्य श्रृंखला में अन्य हितधारक।

सीईडीएसआई सदस्यता उद्योग के नेताओं, नीति निर्माताओं, विकास चिकित्सकों, डेयरी वैज्ञानिकों, शोधकर्ताओं, छात्रों और किसानों को डेयरी उद्योग के लिए आसन्न महत्व के मुद्दों पर बहस और चर्चा करने के लिए एक अनूठा मंच प्रदान करेगी।

Centre of Excellence for Dairy Skills in India

Join Our Membership Drive and Get Benefits of

- Platform to interact with other members in the sector
- Networking opportunities with corporate leaders and government authorities
- Special costs of training in Skill India Certified Programmes
- Access to our Journal and Publications
- Expert advice in day-to-day operations and management of livestock /farm productions
- Free registration on the job portal and regular updates on job vacancies in the sector
- Recognize your organization with CEDSI Yearly Awards and Recognition
- Chance to reach across the board through advertising in our press releases, news and articles
- Consultative and advisory services to help members
- Consulting and advisory services to help members
- Periodic e-newsletter for the latest news, govt. announcement and schemes in dairy sectors
- Updates on training programs of CEDSI and access to the training calendar

Who Can Become a Member -

Corporates/ Cooperatives

NGO's/CSR Foundations

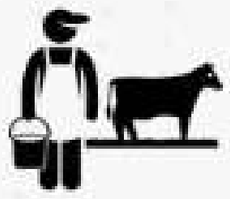

Dairy Farmers

Students

Professional

www.cedsi.in @cedsi_india

CEDSI : रिविविंग स्किल्स एंड जनरेटिंग लाइवलीहुड

किसानों/छात्रों/उद्यमियों के लिए कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- डेयरी किसान / उद्यमी
- डेयरी फार्म पर्यवेक्षक
- डेयरी कार्यकर्ता
- पशु स्वास्थ्य कार्यकर्ता
- कृत्रिम गर्भाधान तकनीशियन
- पशु चिकित्सा क्षेत्र सहायक
- पशु चिकित्सा नैदानिक सहायक
- बछड़ा पालन
- कृषि उपकरण तकनीशियन
- डेयरी फार्म अर्थशास्त्र और प्रबंधन
- उद्योग संरेखित प्रमाणन कार्यक्रम (बेरोजगार युवा और छात्र)

एफपीओ उन्मुख प्रशिक्षण कार्यक्रम

- उत्पाद प्रौद्योगिकी और प्रक्रियाओं पर एफपीओ सदस्य अभिविन्यास।
- एफपीओ मार्केट लिंकेज
- एफपीओ शासन
- एफपीओ लेखा

डेयरी कॉरपोरेट्स और सहकारी समितियों के लिए प्रमुख कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम

- चिलिंग प्लांट तकनीशियन
- बल्क मिल्क कूलर ऑपरेटर
- ग्राम स्तरीय दुग्ध संग्रह केन्द्र पर्यवेक्षक
- दूध परीक्षक
- ग्रीन हाउस गैसों का शमन
- दूध की गुणवत्ता आश्वासन
- मिल्क डिलीवरी बॉय
- दूध खरीद और इनपुट पर्यवेक्षक
- डेयरी उद्योग में अपशिष्ट प्रबंधन
- चारा और चारा प्रबंधन
- स्वच्छ दूध उत्पादन
- निर्णय समर्थन प्रणाली / डेटा विश्लेषिकी

सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस फॉर डेरी स्किल्स इन इंडिया